02577

नामांकन संख्या.. अनुक्रमांक..

कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर

अंकतालिका

1991

(व्यक्तिगत/भूतपूर्व/एक विषय/क्रिमकोर्स/प्री.एम.ए./बैक पेपर)

अनुक्रमांक तथा प्राप्तांकों के अतिरिक्त पृष्ठ भाग पर पते सहित शेष स्थानों की पूर्ति परीक्षार्थी स्वयं करें।

.... परीक्षा १९९१ के प्राप्तांकों का विवरण

अभ्यर्थी का नाम ...... राकेश कुमार

पिता का नाम ...... श्री महावीर प्रसाद शर्मा

परीक्षा केन्द्र का नाम ...... डी० एस० एन० कालेज, उन्नाव

विषय/प्रश्न पत्र परास्नातक विषय	प्राप्तांक							परीक्षाफल शब्दों में
	अधिकतम अंक	प्रथम प्रश्नपत्र	द्वितीय प्रश्नपत्र	तृतीय प्रश्नपत्र	योग	प्रायोगिक	विषय प्रश्नपत्रों का योग	
1- [illegible]							52	Third Div.
2- आर्गनाइजेशन आफ इण्डस्ट्रीज							31	
3- ~~[illegible]~~							—	
4- इन्श्योरेन्स							56	
5- एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स							52	
6-								
7- मौखिकी (Viva-Voce)							46	अधिकतम अंक
फाउन्डेशन कोर्स	50					पूर्ण योग	237	
						भाग 1/पूर्वार्द्ध परीक्षा का योग	175	
						भाग 2/ परीक्षा का योग	412	900
						सम्पूर्ण योग अंकों में		

सम्पूर्ण योग शब्दों में..

टिप्पणी:- १-स्नातक तथा परास्नातक परीक्षा में श्रेणी का निर्धारण निम्नवत् है।

	स्नातक	परास्नातक
प्रथम श्रेणी	60%	60%
द्वितीय श्रेणी	48%	48%
तृतीय श्रेणी	33%	36%

२. बी.ए. तथा बी.काम. के प्रत्येक भाग की परीक्षाओं में अभ्यर्थी को सम्पूर्ण योग का 36% अंक तथा प्रत्येक विषय में 33% इस प्राविधान के साथ प्राप्त करना होगा कि यदि वह केवल एक विषय, लिखित एवं प्रायोगिक में अलग-अलग में 25% या उससे अधिक अंक प्राप्त करता है तो वह उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा। फाउन्डेशन कोर्स में उत्तीर्णांक 17/50 प्रत्येक प्रश्न पत्र में अलग-अलग प्राप्त करने होंगे प्राप्तांक कुल योग में नहीं जोड़े जायेंगे। प्रथम वर्ष की परीक्षा में 36% अंक प्राप्त करना होगा।

३. परास्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए पूर्ण योग में 36% अंक प्राप्त करना आवश्यक है। प्रायोगिक विषय होने पर प्रायोगिक विषय में अलग से उत्तीर्ण करना होगा

४. विश्वविद्यालय के सारणीयन पंजिका में अंकित अंक और अंकतालिका के अंकों में यदि कोई अंतर है तो उस दशा में विश्वविद्यालय सारणीयन पंजिका में अंकित प्राप्तांक ही अन्तिम रूप से मान्य होंगे।

५. स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर प्रथम व द्वितीय श्रेणी के लिए एक अंक का ग्रेस कुल योग में श्रेणी सुधार के लिए दिया जायेगा और परीक्षा फल के कालम में (GDI) लिखा जायेगा।

कानपुर विश्वविद्यालय
कानपुर
दिनांक 23/10 1991
E. & OE

.... लेखक के पूर्ण हस्ताक्षर

.... जांच कर्ता के हस्ताक्षर

(A. P. GUPTA)
सहायक/उपकुलसचिव
Dy. Registrar
Kanpur University, Kanpur